

## वीर तेजा मन्दिर जाट संस्थान, भोपालगढ़

1. छात्रावास का नाम व पता — श्री वीर तेजा मंदिर जाट छात्रावास, भोपालगढ़, जोधपुर

2. इतिहास — सामाजिक कार्यो एवं जाट छात्रावास निर्माण के लिए प्रबुद्ध महानुभावों ने ग'म पंचायत, भोपालगढ़ में सन् 1980 में भूमि आवंटन हेतु आवेदन किया। उसी प्रस्तावित भूखण्ड पर गणेश राम जाखड़, कुम्भा राम चोटिया, जवाना राम पिचकिया, चूना राम गोदारा, भंवरलाल जाखड़, जीवनराम पारासरिया, नैना राम जाखड़ तथा मेजर बदन सिंह पचार सभी ने एक-एक कमरे का निर्माण करवाया। इस तरह निर्माण कार्य पूर्ण होने पर सन् 1985 में छात्रावास आरंभ किया गया। सन् 1985 से लेकर 1990 तक जन सहयोग से 11 अतिरिक्त कमरों का निर्माण करवाया गया और साथ ही एक हॉल का भी निर्माण करवाया गया।

संस्थान का विधिवत विधान बना कर सन् 1997 में 'वीर तेजा मंदिर जाट धर्मशाला, भोपालगढ़' के नाम से पंजीयन (रजि. नं. 52/जोधपुर/1997-98) करवाया गया। संस्थान के लिए राज्य सरकार की ओर से भूमि आवंटन की प्रक्रिया लम्बी चली लेकिन आखिरकार बद्रीराम जाखड़ व अन्य समाज बंधुओं के अथक प्रयासों तथा तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष परसराम मदेरणा के सहयोग से दिनांक 21 मई 2001 को राज्य सरकार से संस्थान को पाँच बीघा भूमि का निःशुल्क आवंटन हुआ। दिनांक 28 जून 2003 को राजस्थान के राज्यपाल के आदेशानुसार 12.02 बीघा अतिरिक्त भूमि न्यूनतम दर (9750 रु. प्रति बीघा) पर आवंटित हुई जिसका रुपए 1,18,000 भुगतान कर भूमि संस्थान के नाम करवाई गयी। इस तरह वर्तमान में संस्थान के पास 17.02 बीघा पट्टा सुदा भूमि है। सन् 2012 में 3285 फीट का हॉल बद्रीराम जाखड़ (तत्कालीन सांसद, पाली) ने निर्मित करवा कर समाज को समर्पित किया।

पिछले कुछ वर्षों से यहाँ पर स्थानीय शिक्षकों के सहयोग से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग भी करवाई जाती है।

संस्थान के अध्यक्ष मेजर बदन सिंह चौधरी थे जिनका स्वर्गवास 13 अगस्त 2021 को हो गया। वर्तमान में संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सचिव नारायण राम जाखड़ हैं।

3. कार्यकारिणी — छात्रावास की स्थापना करीब 50 वर्ष पहले सन् 1971 में हुई थी। इसके प्रथम अध्यक्ष मेजर बदन सिंह चौधरी थे, और वर्तमान में श्री नारायणराम जाखड़ अध्यक्ष हैं। छात्रावास के लिए जमीन का आवंटन लम्बी सरकारों लड़ाई के बाद राज्य सरकार ने किया है। छात्रावास के पुराने भवन में अलग-अलग भामाशाहों ने अलग-अलग कमरों का निर्माण करवाया था जबकि नवीन भवन में प्रमुख योगदान पूर्व सांसद श्री बद्रीराम जाखड़ व स्व. श्री हरिराम जी, श्री अशोक जी डूडी के साथ कई अन्य भामाशाहों का भी योगदान रहा।

4. भौतिक संसाधन — छात्रावास में चारदिवारी है और करीब 30 से अधिक कमरें हैं। एक बड़ा हॉल, करीब 08 दुकाने व खेल मैदान भी है।

5. विद्यार्थी विवरण — वर्तमान में पिछले करीब डेढ़ दशक से भी अधिक समय से यहाँ कोई भी विद्यार्थी नहीं रहता है। न वार्डन है न कोई अन्य है।

कुछ समय पहले समाज के युवाओं ने यहाँ अपने स्तर पर कोचिंग सुविधा शुरू की थी। लेकिन समुचित सहयोग के अभाव में 3-4 माह बाद ही बंद हो गई।

6. वित्तीय सहयोग — जनसहयोग व दुकानों के किराये से।

7. शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियाँ – कुछ नहीं
8. संस्था के नदजिक शिक्षण संस्थान – संस्था के एक-दो किमी दायरे में स्कूल, सरकारी कॉलेज, मॉडल स्कूल व आईटीआई कॉलेज आदि सभी सुविधाएँ हैं।

रामप्रकाश गोदारा  
पत्रकार